प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिषन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद जालौन।

पत्रांकः—एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 2022—23 / 5025 दिनांकः 12.10.2022

विषयः— राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 20—23 सितम्बर 2022 के मध्य किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय पत्र सं0 SPMU/NHM/M&E/2022-23/04/2566-2, दिनांक 19.07.2022 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके क्रम में, राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक **20—23 सितम्बर 2022** तक जनपद **जालौन** की जनपद व ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों, हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर तथा नगरीय प्राथमिक चिकित्सालय का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया।

राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद की चिकित्सा इकाईयों का स्थलीय पर्यवक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

आपसे अनुरोध है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीया

Aparna

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक
तद्दिनांक

पत्रांकः—एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 2022—23

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित—

1. जिलाधिकारी / अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद जालौन।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0स्वा0 एवं प0क0, झांसी मण्डल।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक / अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, झांसी मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, जालौन को पर्यवेक्षण रिपोर्ट के सापेक्ष आवश्यक कार्यवाही एवं आख्या हेतु प्रेषित।

(डा0 ए0के0 अग्रवाल)
उप महाप्रबन्धक आर.के.एस.के. /
जनपदीय नोडल अधिकारी

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिषन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. **मुख्य चिकित्साधिकारी,**
जनपद जालौन।

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 2022–23 / दिनांकः 12.10.2022

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 20–23 सितम्बर 2022 के मध्य किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय पत्र सं0 SPMU/NHM/M&E/2022-23/04/2566-2, दिनांक 19.07.2022 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके क्रम में, राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक **20–23 सितम्बर 2022** तक जनपद **जालौन** की जनपद व ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों, हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर तथा नगरीय प्राथमिक चिकित्सालय का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया।

राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद की चिकित्सा इकाईयों का स्थलीय पर्यवक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

आपसे अनुरोध है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीया

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 2022–23 / 5025-5 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित–

1. जिलाधिकारी / अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद जालौन।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0स्वा0 एवं प0क0, झांसी मण्डल।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक / अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, झांसी मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, जालौन को पर्यवेक्षण रिपोर्ट के सापेक्ष आवश्यक कार्यवाही एवं आख्या हेतु प्रेषित।

(डा0 ए0के0 अग्रवाल)
उप महाप्रबन्धक आर.के.एस.के. /
जनपदीय नोडल अधिकारी

जनपद स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण

जनपदःजालौन **दिनांक :20–23 सितम्बर 2022**

मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,उ0प्र0 के प्रदत्त निर्देशों के अनुपालन में 02 सदस्यीय राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद जालौन का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु दिनांक 20–23 सितम्बर 22 के मध्य भ्रमण किया गया। जनपद में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु अपर मुख्य चिकित्साधिकारी,आर0सी0एच0, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला कम्यूनिटी प्रोग्राम मैनेजर तथा अर्बन हेल्थ काडिनेटर द्वारा अपेक्षित सहयोग प्रदान किया गया। भ्रमण की संक्षिप्त आख्या निम्नवत् है–

क्र.	चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
		प्रथम दिवस– 20 सितम्बर 22		
	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्लॉक कालपी	दल द्वारा भ्रमण के दौरान अवलोकित किए गए बिन्दु इस प्रकार से रहे – • केन्द्र के परिसर मे काफी जगह थी, किन्तु उसके सापेक्ष जगह का समुचित उपयोग नहीं किया गया था। परिसर में काफी जगह अनुपयोगित पड़ी थी। • परिसर में जो भी दीवार लेखन किया गया था वह काफी पुराना प्रतीत हो रहा था। • प्रभारी चिकित्साधिकारी के कक्ष में चिकित्सालय द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं व उपलब्धियों से जुड़ी जानकारी प्रदर्शित नहीं थी, कक्ष में लगा डिस्प्ले बोर्ड पर किसी प्रकार की कोई सूचना अंकित नहीं था, जो कि अनुपयोगित प्रतीत हो रहा था। • परिवार नियोजन से सम्बन्धित कुछ योजनाओं – एफ0पी0 आई0एस0, पी0सी0पी0 एन0 डी0 टी0 आदि जनमानस हित से जुडें कार्यकम की सूचना प्रदर्शित नहीं थी। • चिकित्सालय मे उपस्थित समस्त स्टाफ/चिकित्सक अपने निर्धारित ड्रेस कोड में नही मिले और न ही उसका पालन करना उनको जरूरी प्रतीत हो रहा था। • ओ0पी0डी0 कक्ष व चिकित्सालय में पर्याप्त सफाई का अभाव मिला देखने को मिला। • दल को परिसर में कंडोम बाक्स नहीं दिखा। **एक्स रे कक्ष –** • एक्स रे कक्ष में पर्याप्त रोशनी एवं वेनटिलेशन का अभाव दिखा, जिससे काफी गर्मी थी। • एक्सरे टेक्निशियन ने पी0पी0ई0 का प्रयोग नहीं किया था। • एक्स रे मशीन ठीक प्रकार से कार्य कर रही थी।	• प्रभारी चिकित्साधिकारी की अनुपरिथिति में उपरिथिति चिकित्साधिकारी को परिसर का समुचित उपयोग करते हुए अधिक से अधिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से सम्बन्धित सूचनाओं/संदेशों को दीवार लेखन के द्वारा जनमानस के मध्य प्रचलित करने का सुझाव दिया गया। • चूकि वर्तमान परिस्थितियां सामान्य हो चली है, अतः उपस्थिति चिकित्साधिकारी को परिसर को पुनः जनमानस की सेवाओं के उपयोग हेतु पूर्णतया तैयार करने हेतु निर्धारित मानको के अनुरुप व्यवस्थाएं आरंम्भ करने का सुझाव दिया गया। • जनमानस हित से जुडें कार्यकम की सूचनाएं दीवार लेखन के माध्यम से प्रदर्शित किये जाने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा परिसर में कार्यरत सफाई कर्मचारी के माध्यम से प्रतिदिन कम से कम 02 बार व्यापक सफाई कराने एवं उसकी निगरानी किये जाने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा शीघ्र परिसर में नया कंडोम बाक्स लगाये जाने का सुझाव दिया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा कक्ष में गर्मी को कम करने हेतु पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था करने एवं ए0सी0 लगाने का सुझाव दिया गया जिससे कक्ष में मशीन व अन्य उपकरणों का ठीक प्रकार से रखरखाव किया जा सके। एक्सरे टेक्निशियन को पी0पी0ई0 का महत्व समझाते हुए इसका	प्रभारी चिकित्साधिकारी

			सदैव प्रयोग किये जाने का सुझाव दिया गया।	
		<u>प्रयोगशाला कक्ष</u> • कक्ष में टी0बी0 तथा गर्भवती महिलाओं व अन्य बीमारियों से जुड़ी जांचे एक ही कक्ष मे की जा रही थी। जिससे संक्रमण फैलने का अंदेशा पाया गया।	राज्य स्तरीय दल द्वारा टी0बी0 की जांच हेतु अलग कक्ष की व्यवस्था किये जाने का सुझाव दिया गया।	एक्सरे टेक्निशियन/प्रभारी चिकित्साधिकारी
		• कक्ष में पर्याप्त साफ सफाई नहीं थी। • जांच उपकरणों व रखे साजो सामान पर धूल जमी हुई पाई गई।	दल द्वारा कक्ष में प्रतिदिन कम से कम 02 बार व्यापक सफाई कराने एवं उसकी निगरानी किये जाने का सुझाव दिया गया।	
		• कक्ष में उपस्थित टेक्निशियनों द्वारा पी0पी0ई0 का प्रयोग नहीं किया था। • जांच उपकरण– माइक्रोस्कोप आदि कार्य कर रहे थे।	टेक्निशियन को पी0पी0ई0 का महत्व समझाते हुए इसका सदैव प्रयोग किये जाने का सुझाव दिया गया।	
		<u>प्रसव रिकार्ड कक्ष –</u> • रिकार्ड कक्ष की स्थिति अव्यवस्थित पाई गई। • 03 स्टाफ नर्स इस कक्ष में कार्यरत है, परन्तु किसी के द्वारा रिकार्ड सहजने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। • दल को ज्ञात हुआ कि आपसी सामंजस्य के अभाव में एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाली जाती है।जिसको कोई देखने वाला नही है।	स्टाफ नर्स को समस्त रिकार्ड दल द्वारा आपत्ति जताते हुए समस्त रिकार्ड 01 माह में ठीक किये जाने का निर्देशित किया गया।	
		• प्रसव रजिस्टर पर सूचनाए विधिवत अंकित नहीं थी। प्रसव उपरांत रजिस्टर में कई जगह पर अधिक वजन के नवजातों का ब्योरा दर्ज थां अधिक वजन के इन नवजातों का जन्म उपरांत क्या किया गया अथवा क्या किया जाता है, स्टाफ नर्स के स्पष्ट जानकारी नहीं थी।	• उपस्थित स्टाफ नर्स को प्रसव रजिस्टर की महत्ता समझाते हुए वाछित समस्त सुचनाओं को विधिवत् एवं समय से भरने हेतु अपडेट रखने का सुझाव दिया गया।	स्टाफ नर्स/प्रभारी चिकित्साधिकारी
		• एम0सी0टी0एस. संख्या विधिवत दर्ज नही थी। रजिस्टर के अंत में दी गई रजिस्टर के अंत में दिए गए मासिक सारांश प्रपत्र भरा ही नहीं किया जा रहा है। • उपस्थित स्टाफ नर्स को अपने कार्य के प्रति स्पशट जानकारी नही दिखी एवं न इसको लेकर कोई चिन्ता।	• दल द्वारा कार्यरत समस्त स्टाफ नर्सो से कार्य दायित्वों के प्रति लापरवाही पर स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुए समस्त रिकार्ड यथाशीघ्र सही करने हेतु सुझाव दिया गया।	
		• रेफरल सिस्टम व्यवस्थित रूप से नहीं पाया गया। एफ0आर0पी0 रजिस्टर की हालत खराब पाई गई। सादे रजिस्टर में ही सूचनाएं अंकित की जा रही है।	• रेफरल रजिस्टर में समस्त आवश्यक सूचनाओं को अंकित करने हेतु स्टाफ नर्स को सुझाव दिया गया। • उक्त के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को अवगत कराते हुए यथोचित कार्यवाही हेतु अनुरोध किया	

		• पार्टोग्राफ भी व्यवस्थित रूप से नहीं भरा पाया गया, न ही उसको ठीक प्रकार से रखा जा रहा था। • अन्तरा गर्भ निरोधक, आई0यू0सी0डी, रजिस्टर रिकार्ड व्यवस्थित रूप से नहीं भरा गया था। बल्कि रिकार्ड आधे अधूरे पाए गए। फालोअप रिकार्ड पर सम्बन्धित व्यक्ति एवं आशा के हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए । प्रथम डोज के उपरांत दूसरी डोज के लिए लाभार्थी दुबारा क्यो नहीं आए एवं उनका क्या हुआ इसका कोई संतोषजनक जवाब स्टाफ नर्स के पास नहीं था। • जन्म लेने वाले नवजातो को विटामिन के दिया जा रहा था, किन्तु नवजातों को यह क्यों दिया जाता है, इसका स्पस्ट प्रतिउत्तर प्राप्त नहीं हुआ। • प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना रजिस्टर मांगने पर स्टाफ नर्स द्वार सादे रजिस्टर में ही सूचनांए अंकित की जा रही है, जो कि स्पष्ट प्रतीत नहीं हुई। • <u>प्रसव कक्ष</u> कक्ष में चल रहे प्रसव के कारण दल द्वारा कक्ष का अवलोकन नही किया जा सका। • <u>जे0एस0वाई वार्ड</u> ➢ जे0एस0वाई वार्ड में कोई महिला भर्ती नही थी । ➢ वार्ड में मातृत्व स्वास्थ्य से सम्बधित संदेश पोस्टर खराब स्थिति मे और पुराने प्रतीत हो रहे थे। पूछने पर उचित उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। ➢ कक्ष में साफ सफाई, बेड शीट उचित नहीं पाई गई। बेड शीट पुरानी व धब्बे लगे मिले। ➢ कक्ष में एक महिला बेड पर ही बैठकर भोजन करती पाई गई। जबकि वार्ड आया वहां पर नहीं थी। ➢ पूरे परिसर में कही भी जे0एस0एस0के0 डाईट को लेकर सूचना प्रदर्शन नहीं दिखी। ➢ प्रसव कक्ष के गलियारे में व्यापक आई0ई0सी0 का प्रबन्ध	गया है। • रजिस्टर में समस्त आवश्यक सूचनाओं को अद्युनात/अंकित करने हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया गया। • दल द्वारा कम से कम 02 बार कक्ष की साफ सफाई हेतु सुझाव दिया गया जिससे कक्ष मानकानुसार संक्रमण रहित व प्रसव हेतु सुरक्षित रह सके। • दल द्वारा कक्ष की महत्ता एवं नवजातों के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए पर्याप्त साफ सफाई का सुझाव दिया गया। • चिकित्साधिकारी को आर0के0 एस0 फंड का उपयोग करते हुए परिसर की व्यापक साफ सफाई हेतु दैनिक आधार पर सफाई कर्मी रखने का सुझाव दिया गया। • परिसर में बने शौचालय की सफाई कराते हुए उसका महिला के उपयोगित किए जाने हेतु	स्टाफ नर्स/प्रभारी चिकित्साधिकारी

		नहीं मिला। **<u>नियमित टीकाकरण</u>** :– चिकित्सा इकाई पर टीकाकरण के पश्चात होने वाली प्रतिकूल घटना (ए0ई0एफ0आई0) कीरिपोर्टिंग हेतु ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता नही पायी गयी।	चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया। ● दल द्वारा जे0एस0एस0के0 डाईट का चार्ट परिसर मे लगाने का सुझाव दिया जिससे जनमानस के मध्य पारदर्शिता बनी रहें ● दल द्वारा आपत्ति जताते हुए कक्ष मे ंमौजुद महिला को समझाते हुए वहां से हटाया गया तथा वार्ड आया को बुलाकर अगली बार ऐसा न हो इसके लिए वहीं पर बैठने हेतु निर्देशित किया गया। ● कक्ष मे ंमातृत्व स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु व्यापक आई0ई0सी0 किये जाने का सुझाव दिया गया। ● दल द्वारा कक्ष की महत्ता एवं नवजातों के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए पर्याप्त साफ सफाई का सुझाव दिया गया। ● कक्ष मे बायो वेस्ट मैनेजमेंट का अनुपालन कर कलर कोडेड डस्टबिन रखने व उपयोगित किए जाने का सुझाव दिया गया। ● दल द्वारा कक्ष की महत्ता एवं नवजातों के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए पर्याप्त साफ सफाई का सुझाव दिया गया तथा आगामी दिन तक कक्ष की स्थिति सुधारेन को कहा। ● दल द्वारा ए0ई0एफ0आई0 के बारे में अभिमुखीकृत किया गया। ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता शीघ्र ही सुनिश्चित करायी जाए ताकि सभी प्रकार के ए0ई0एफ0आई0 मामलों की रिपोर्टिंगकरी जाए जो समुदाय में वैक्सीन पर विश्वास को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / फार्मासिस्ट / बी0सी0पी0एम0
		<u>नेशनल टी0बी0 कार्यक्रम</u> ● कक्ष में पर्याप्त साफ सफाई भी नहीं मिली। ● सेन्टर में वी0डी0आर0एल0 की जांच उपलब्ध नहीं थी। ● बायोवेस्ट मैनेजमेंट व्यवस्था नहीं पाई गई। कलर कोडेड डस्टबीन नहीं थीं।	● इस कक्ष में भी पर्याप्त साफ–सफाई कराने हेतु सुझाव दिया गया। ● दल द्वारा वी0डी0आर0एल0 की जांच की व्यवस्था किये जाने का सुझाव दिया गया। ● बायोवेस्ट मैनेजमेंट व्यवस्था के महत्व के बारे में बताते हुए	प्रभारी चिकित्साधिकारी / फार्मासिस्ट / बी0सी0पी0एम0

<table>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>दल द्वारा कलर कोडेड डस्टबिन रखने व उपयोग करने का सुझाव दिया गया।</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="5">मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय (डा0 एन0डी0 शर्मा) व डी0पी0एम0यू0 के साथ बैठक– 20 सितम्बर 22</td></tr>
<tr><td colspan="5">राज्य स्तरीय दल द्वारा सांय काल मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी आर0सी0एच0 तथा जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई के सदस्यो के साथ बैठक की गई तथा अपने जनपद भ्रमण के उद्देश्यो से अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय, द्वारा अवगत कराया गया कि राज्य स्तरीय दल के साथ आगामी 03 दिन भ्रमण हेतु जिले से सम्बन्धित अधिकारियों को भी जोड़ा गया है जो कि भ्रमण में अपेक्षित सहयोग प्रदान करेंगे। उनके द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि वर्तमान में चल रहे पोलियों सघन अभियान के दृष्टिगत, समस्त आशायें व ए0एन0एम0 पोलियो सघन अभियान से जुड़ी है व घर–घर भ्रमण कर रही है, अतः इस सप्ताह ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का आयोजन नहीं किया जा रहा है। भ्रमण दल से अपेक्षा है कि अंतिम दिन, पाई गई कमियों से अवगत कराया जाये जिससे अपेक्षित सुधार किया जा सके। दल द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि भ्रमण उपरांत अपने फीडबैक से अवगत कराया जायेगा।</td></tr>
<tr><td colspan="5">21 सितम्बर 22</td></tr>
<tr><td></td><td>हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, खर्रा</td><td>• हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर ग्राम कुठौन्द के सबसेन्टर पर स्थित है।
• अत्यधिक बारिश होने के बावजूद सेंटर पर सेवाएं प्रदान की जा रही थी। हांलांकि पोलियो अभियान के कारण आशाएं व ए0एन0एम0 उपस्थित नहीं थी।
• सेन्टर प्रभारी अपने निर्धारित ड्रेस कोड में थे।
• सेन्टर पर समस्त अपेक्षित सेवाएं प्रदान की जा रही थी। जिनका रिकार्ड व्यवस्थित रूप से पाया गया।
• अत्यधिक बारिश एवं सघन पोलियो अभियान के कारण सेन्टर पर खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन नहीं हो पा रहा था। हांलाकि परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान की जा रही थी।
• रिकार्ड का रख रखाव ठीक प्रकार से हो रहा है।
• उक्त सेन्टर पर प्रसव की सुविधा पाई गई एवं औसतन 4–5 प्रसव प्रतिमाह हो रहे है। हांलाकि प्रसव रजिस्टर सेन्टर पर उपलब्ध नहीं है। सादे रजिस्टर पर ही सूचनाएं अंकित की जा रही है।
• परिवार नियोजन सेवाएं हेतु बास्केट आफ चाइस प्रदर्शित की गई थी।
• सेन्टर पर कण्डोम बाक्स लगा पाया गया जो कि भरा था।
• समस्त अस्थाई गर्भनिरोधको का</td><td>• राज्य स्तरीय दल द्वारा सेन्टर की सुचारू व्यवस्था हेतु प्रभारी की सराहना की गई।

राज्य स्तरीय दल द्वारा सुझाया गया अगर किसी विपरीत परिस्थितिवश / अवकाश की स्थिति मे खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन अगले दिन भी किया जा सकता है। जिससे सम्बन्धित दिशा निर्देश पूर्व में जनपद को प्रेषित किये जा चुके है।

दल द्वारा इसी प्रकार रिकार्ड व्यवस्था सुचारू रूप से बनाए रखने का सुझाव दिया गयां।

राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रसव की सुविधा के दृष्टिगत, साथ में उपस्थित डी0सी0पी0एम0 को सेन्टर पर प्रसव रजिस्टर शीघ्र उपलब्ध कराने हेतु कहा गया।

राज्य स्तरीय दल द्वारा उपस्थित सेन्टर प्रभारी को यह सुझाव दिया गया कि जो भी</td><td>डी0सी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी</td></tr>
</table>

		रजिस्टर व्यवस्थित रूप से पाया गया तथा उसमें सूचनाएं अंकित पाई गई। ● अन्तरा की प्रथम डोज उपरांत द्वितीय व तृतीय डोज मिसिंग थी। परिसर में योग एवं प्रतिक्षालय भी बनाया गया है।	महिलांए अन्तरा की प्रथम डोज हेतु आ रही है, उनका नियमित फालोअप आशा द्वारा किया जाये जिससे अगली डोज के लिए उनको आ रही दिक्कतों को दूर करते हुए मोबिलाइज किया जा सके।	आशा / ए0एन0एम0 / सेन्टर प्रभारी
	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, कुठौन्द	अत्यधिक बारिश के कारण परिसर में पानी भरा हुआ था। परिसर में जगह काफी कम थी और कमरे काफी छोटे थे, जिसमें स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही थी। दल के संज्ञान मे आया कि परिसर की जमीन वादग्रस्त है जिस कारण वहां पर निर्माण नहीं किया जा सका है। परिसर में बने बैठक कक्ष में कोई आई0ईसी0 नहीं पाई गई बल्कि बिजली का बोर्ड भी टूटा हुआ पाया गया। कक्ष मे कोई आई0ई0सी0 भी नहीं पाई गई। दल के संज्ञान में आया कि गत् 02 माह से चिकित्सालय को फण्ड प्राप्त नहीं हुआ है जिस कारण अपेक्षित कार्य नहीं हो पा रहे है। परिसर मे दीवार लेखन बहुत पहले किया गया था। जो कि अब स्पष्ट नही दिख रहा था। परिसर में चारों तरफ पानी भरा हुआ था जिसके कारण वहां पर आना जाना दुभर था। <u>ए0एन0सी0 कक्ष –</u> ● कक्ष छोटा किन्तु काफी व्यवस्थित था तथा वहां महिलाओ के जांच हेतु आवश्यक उपकरण व अन्य साजो सामान व्यवस्थित रूप से पाए गए। ● कक्ष के बगल में ही ब्रेस्ट फीडिंग कार्नर एल्यूमिनियम से बनाया गया था। <u>प्रसव कक्ष –</u> ● प्रसव रजिस्टर पर सूचनाए विधिवत अंकित नहीं थी। ● एम0सी0टी0एस. संख्या दर्ज नही थी, जबकि भुगतान किया जा रहा था। रजिस्टर के में	● दीवार लेखन हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया। साथ ही जल्द से जल्द परिसर हेतु स्थान की व्यवस्था हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियो से बात कर यथावश्यक प्रयास करने का सुझाव दिया गया। ● दल द्वारा अवगत कराया गया कि 2022 में, माह अप्रैल से जुलाई तक का फण्ड राज्य द्वारा समस्त जनपदो को आवंटित किया जा चुका है। अतः साथ में आए डी0सी0पी0एम0 से जनपद स्तर से इस सम्बन्ध में बात कर यथावश्यक फण्ड चिकित्सालय को उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया जिससे चिकित्सालय में अधूरे व अपेक्षित कार्य पूर्ण हो सके। ● दल द्वारा आवश्यकतानुरूप परिसर में आई0ईसी0 कार्य कराने तथा फैमिली प्लानिंग इंडेमिनिटी स्कीम व पी0सी0पी0एन0डी0टी0 अधिनियम से जुडी जानकारियों को जनमानस के मध्य प्रचारित करने का सुझाव दिया गया।	डी0सी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / स्टाफ नर्स

		दी गई मासिक सारांश प्रपत्र को प्रतिमाह अपडैट नहीं किया जा रहा है। ● रेफरल सिस्टम व्यवस्थित रूप से नहीं पाया गया। ● सप्लाई होने के कारण नवजातों को विटामिन के–1 दिया जा रहा था। परन्तु क्यों दिया जाता है यह अस्पश्ट था। ● अन्तरा गर्भ निरोधक रजिस्टर रिकार्ड व्यवस्थित रूप से नहीं भरा गया था। उसके फालोअप रिकार्ड पर सम्बन्धित व्यक्ति एवं आशा के कुछ जगह हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए । ● यही स्थिति पी0पी0आई0यू0सी0डी0 रजिस्टर की पाई गई फालोअप डाटा मिसिंग था। ● प्रधानमंत्री मातृत्व रजिस्टर स्टाफ को दिया गया गया है इस कारण सादे रजिस्टर में ही जानकारी भरी जा रही है जो कि आधी अधूरी प्रतीत हुई। ● प्रसव कक्ष में गर्भवती महिला उपस्थित होने के कारण उसका विधिवत निरीक्षण नहीं किया जा सका। कक्ष का सिर्फ बाहर से ही अवलोकन किया गया – ➢ कैलिस पैड पिचके हुए दिखे। ➢ कमरे में पंखा तो था, किन्तु काफी उमस थीं ➢ प्रसव कक्ष के बाहर झाड़ू रखी हुई पाई गई। ➢ कक्ष में व्यापक आईईसी नहीं पाई गई। ➢ प्रसव कक्ष मे दो टेबलों क मध्य पर्दा भी नहीं था। ➢ पास ही बने शौचालय में पर्याप्त साफ सफाई नहीं पाई गई। ➢ कोई जटिल केस आने की स्थिति मे उसको जिला चिकित्सालय रिफर किया जाता है अथवा दूसरे	दल द्वारा इसकी प्रशंसा की गई तथा यथा स्थिति बनाये रखने हेतु प्रोत्साहित किया गया। ● उपस्थित स्टाफ नर्स को प्रसव रजिस्टर में वाछित समस्त सुचनाओं को विधिवत् एवं समय से भरने हेतु सुझाव दिया गया। ● बी0सी0पी0एम0 एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी को स्टाफ नर्स द्वारा किये जा रहे अनियोजित कार्य के बारे में अवगत कराया गया गया। ● रेफरल रजिस्टर में समस्त आवश्यक सुचनाओं को अंकित करने हेतु स्टाफ नर्स को सुझाव दिया गया। ● रजिस्टर में समस्त आवश्यक सूचनाओं को अद्युनात/अंकित करने हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया गया। ● स्टाफ नर्सों की लापरवाहपूर्ण कार्यप्रणाली को देखते हुए राज्य स्तरीय दल द्वारा उनको स्पश्टीकरण नोटिस देते हुए कार्य सुधार हेतु समय देने का सुझाव दिया गया। ● कैलिस पैड की उपयोगिता के सम्बन्ध में स्टाफ नर्स को बताया गया। स्टाफ नर्स द्वारा आश्वासन दिया गया कि वह	

		नजदीकी जनपद। • जे0एस0वाई वार्ड ➢ जे0एस0वाई वार्ड में कोई महिला भर्ती नहीं थी। ➢ कक्ष में साफ सफाई, बेड शीट ठीक पाई गई। परन्तु प्रोटोकाल के हिसाब से नहीं थीं ➢ दल को ज्ञात हुआ कि आने वाली लाभार्थियो को जे0एस0एस0के0 डाईट के अन्तर्गत भोजन दिया जा रहा है। परन्तु उसका कही पर बोर्ड लगा नहीं पाया गया।	भविश्य में कैलिस पैड को फुलाकर रखेगी। • दल द्वारा व्यापक आई0सी0सी0 मातृत्व स्वास्थ्य पोस्टर लगाने तथा दो टेबलों क मध्य पर्दा लगाने का सुझाव दिया गया जिससे प्रसव हेतु आने वाली महिलाओं के मध्य गोपनीयता बनी रहें। • दल द्वारा सफाई कर्मियों के माध्यम से नियमित साफ सफाई करवाने का सुझाव दिया गया तथा यह भी कहां गया कि यदि सफाई कर्मी की कमी है तो आर.के.एस. फण्ड का नियमानुसार उपयोग कर दैनिक आधार पवर भी सफाई करवा सकते है।झाडू वहां हटवाकर इकाई के बाहर रखवाया गया। उक्त के साथ ही सम्बन्धित स्टाफ को बताया गया कि प्रसव कक्ष में झाडू लगाना अथवा रखना निशेघ है। • प्रसव कक्ष के समीप के शौचालय की सफाई दिन में कम से कम तीन बार कराने हेतु बी0सी0पी0एम0 को सुझाव दिया गया। • दल द्वारा यथा संभव साफ धूली चादरे बिछाने का सुझाव दिया जिससे महिलाओं को गंदी चादरों से कोइ संक्रमण न हो सके। दल द्वारा यह सुझाव दिया गया कि यदि जे0एस0एस0के0 डाईट का बोर्ड नहीं बन पा रहा है जो इसका फलेक्स अथवा कम्यूटर से प्रिट कर परिसर मे लगा सकते है। • दल द्वारा ए0ई0एफ0आई0 के बारे में अभिमुखीकृत किया गया। ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की	

		<u>नियमित टीकाकरण</u> :– चिकित्सा इकाई पर टीकाकरण के पश्चात होने वाली प्रतिकूल घटना (ए0ई0एफ0आई0) की रिपोर्टिंग हेतु ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता नही पायी गयी।	उपलब्धता शीघ्र ही सुनिश्चित करायी जाए ताकि सभी प्रकार के ए0ई0एफ0आई0 मामलों की रिपोर्टिंग की जा सके जो समुदाय में टीकाकरण के प्रति विश्वास को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।	
	हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, बावली	• सेंटर सी0एच0सी0 कुठौन्द का ही सबसेन्टर पर स्थित है। • अत्यधिक बारिश होने के बावजूद सेंटर पर दिनांक 21 तारीख को नियत खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन किया जा रहा था तथा कुछ ग्राम की महिलाएं भी उक्त दिवस पर सेवाएं लेने हेतु उपस्थित थी, जिनको सेवाएं प्रदान की जा रही थी। • दिवस के अवसर पर परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान की जा रही थी। परन्तु सेन्टर प्रभारी को उक्त दिवस के आयोजन के उद्देश्यो के प्रति अस्पष्ट जानकारी थी। • सेन्टर पर कुछ आशाएं भी उपस्थित थी। • सेन्टर प्रभारी प्रतीक्षापाल अपने निर्धारित ड्रेस कोड में थी। • सेन्टर काफी पुराना था और बगल के कमरे का प्लास्टर उखडा था यहां तक कि समस्त जगह पर सीलन थी। • सेन्टर पर समस्त अपेक्षित सेवाएं प्रदान की जा रही थी। जिनका रिकार्ड ठीक प्रकार से पाया गया। • रिकार्ड का रख रखाव ठीक प्रकार से हो रहा है। • परिवार नियोजन सेवांएं हेतु बास्केट आफ चाइस नहीं पाया गया। • सेन्टर पर कण्डोम बाक्स लगा पाया गया जो कि भरा था। • समस्त अस्थाई गर्भनिरोधको का रजिस्टर व्यवस्थित रूप से पाया गया तथा उसमें सूचनाएं अंकित पाई गई। • अन्तरा की प्रथम डोज उपरांत द्वितीय व तृतीय डोज मिसिंग	• राज्य स्तरीय दल द्वारा सेन्टर की सुचारू व्यवस्था हेतु प्रभारी की सराहना की गई। राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रतिकुल परिस्थितियों के बावजूद खुशहाल परिवार दिवस के आयोजन हेतु उपस्थित समस्त लोगो की सराहना की गई एवं उनसे अपने निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप आगे भी ऐसे ही कार्य किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। • दल के सदस्य द्वारा सेन्टर प्रभारी एवं उपस्थित समस्त लोगों व लाभार्थियों के खुशहाल परिवार दिवस के आयोजन एवं उसके उद्देश्यों के बारे में अभिमुखीकुत किया गया। • दल द्वारा एक टोकरी में परिवार नियोजन के समस्त अस्थाई साधनों के साथ बास्केट आफ च्वाइस बनाने का सुझाव दिया गया जिससे सेन्टर पर आने वाली महिलाओं को उचित प्रकार से जानकारी दी जा सके। राज्य स्तरीय दल द्वारा सुझाया गया अगर किसी विपरीत परिस्थितिवश / अवकाश की स्थिति मे खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन अगले दिन भी किया जा सकता है। जिससे सम्बन्धित दिशा निर्देश पूर्व में जनपद को प्रेषित किये जा चुके है। दल द्वारा इसी प्रकार रिकार्ड व्यवस्था सुचारू रूप से बनाए रखने का सुझाव दिया गयां। राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रसव की सुविधा के दृष्टिगत, साथ में उपस्थित डी0सी0पी0एम0	डी0सी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी

		थी। • परिसर में उस वक्त बिजली नहीं थी हांलाकि बैकअप है। • सेन्टर के शौचालय की स्थिति खराब थी व साफ नहीं था। जिसके कारण अनुपयोगित था।	को सेन्टर पर प्रसव रजिस्टर शीघ्र उपलब्ध कराने हेतु कहा गया। दल द्वारा साथ में आए डी0सी0पी0एम0 से इमारत की हालत के दृष्टिगत, यथाशीघ्र बजट का इंतजाम कराकर उसकी मरम्मत कराने का सुझाव दिया गया। शीध्र ही साफ शोचालय की व्यवस्था हेतु सुझाव दिया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा उपस्थित सेन्टर प्रभारी को यह सुझाव दिया गया कि जो भी महिलांए अन्तरा की प्रथम डोज हेतु आ रही है, उनका नियमित फालोअप आशा द्वारा किया जाये जिससे अगली डोज के लिए उनको आ रही दिक्कतों को दूर करते हुए मोबिलाइज किया जा सके।	 आशा / ए0एन0एम0 / सेन्टर प्रभारीसी0एच0ओ0 / डी0सी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी
		तृतीय दिवस – 23 सितम्बर 2022		
	नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उमरखेडा	• राज्य स्तरीय दल के साथ अपर मुख्य चिकित्साधिकरी आर0सी0एच0 एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक भी भ्रमण में उपस्थित थे। • सेन्टर जनपद में ही मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय से लगभग 3 किमी0 के आसपास स्थित था। • सेन्टर की स्थिति ठीक ठाक पाई गई, हालांकित सेन्टर जिस स्थान पर बनाया गया था काफी पुराना लग रहा था। • शौचालय साफ सुथरा पाया गया। • बरसात के कारण सेन्टर में सीलन थी। • सेन्टर में जैसा कि बताया गया था उसके विपरीत र्प्याप्त साफ सफाई नहीं मिली। • सेन्टर पर उपस्थित समस्त कर्मी अपने निर्धारित ड्रेस कोड में थे। • चिकित्सा इकाई पर मातृ स्वास्थ्य, परिवार नियोजन एवं अन्य	• राज्य स्तरीय दल द्वारा बरसात उपरांत सेन्टर की आवश्यकतानुरूप मरम्मत तथा रंग रोगन कराने का सुझाव दिया जिससे सेन्टर व्यवस्थित दिख सके। दल द्वारा जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से नये मुद्रित प्रोटाकाल पोस्टर प्राप्त कर उनको लगाने का सुझाव दिया गया जिससे सेन्टर पर आने वाले लोगों को मातृ स्वास्थ्य, परिवार नियोजन से जुडी गतिविधियों व योजनाओ की जानकारी मिल सके।	सेन्टर प्रभारी चिकित्साधिकारी / जिला कार्यक्रम प्रबन्धक

		गतिविधियों से जुडे पोस्टर लगे थे जो काफी पुराने प्रतीत हो रहे थे। **<u>प्रयोगशाला</u>**– • कक्ष की स्थिति ठीक पाई गई एवं उपस्थिति कर्मी ने एप्रेन आदि पहना हुआ था। • जांच हेतु आए सैम्पल ठीक प्रकार से रख हुए थे। • सेन्टर पर टी0बी0 रोगियों हेतु स्पुटम जांच की व्यवस्था नही थी ऐसे आने वाले रोगियों को जिला चिकित्ससालय रिफर किया जाता है।	दल द्वारा यथास्थिति बनाये रखने का सुझाव दिया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि हो सके तो सेन्टर पर टी0बी0 रोगियों का स्पुटम लिये जाने की व्यवस्था करे जिससे नजदीक बस्तियों से आने वाले मरीजों को जांच हेतु भटकना न पडे।	
		<u>फार्मेसी</u> – • फार्मासिस्ट महोदय ने हाल में ही उक्त सेन्टर को ज्वाईन किया है। • हांलाकि टैबल पर समस्त दवाएं ठीक प्रकार से रखी पाई गई किन्तु जब उसकी जांच की गई तो जांच में पैरासीटामाल,कुछ एन्टीबायटिक एक्सपायरी व नियर एक्सपायरी पाई गई। जिसका कारण पूछने पर फर्मासिस्ट महोदय उचित जवाब नहीं द पाए।	दल ने एक्सपायरी दवाओं को लेकर कडी आपत्ति दर्ज की तथा तुरन्त एक्सपायरी एवं नियर एक्सपायरी का रिकार्ड अपडेट कर इन दवाओ को हटाने का सुझाव दिया गया जिससे गलती से यह दवा किसी को न दे दी जाये। साथ ही फार्मासिस्ट महोदय को भविष्य में ऐसा न हो इसकी चेतावनी दी गई।	
		<u>मातृ स्वास्थ्य</u> – •समस्त रिकार्ड व्यवस्थित रूप से नहीं पाए गए। न ही उनका रखरखाव उचित प्रकार से दिखा। • चिकित्सा इकाई पर डिलवरी नहीं होती है, ए0एन0सी0 की जाती है जिसका रिकार्ड पूर्ण नहीं पाया गया। •ए0एन0सी0 हेतु उपयोगित की जाने वाली वेट मशीन सही प्रकार से कार्य नहीं कर रही।हाईट स्केल भी वही पर रखी थी। • कक्ष मे व्यापक प्रकाश की व्यवस्था नहीं थी।	राज्य स्तरीय दल द्वाराउपस्थित स्टाफ नर्स को रिकार्ड रजिस्टर में वाछित समस्त सुचनाओं को विधिवत् एवं समय से भरने हेतु सुझाव दिया गया। • स्टाफ नर्स को ए0एन0सी का रिकार्ड स्वय तथा अन्य स्टाफ नर्सों को भी ससमय भरने हेतु सूचित करने को कहा गया। • रेफरल रजिस्टर में समस्त आवश्यक सुचनाओं को अंकित करने हेतु स्टाफ नर्स को सुझाव दिया गया।	
		<u>परिवार नियोजन</u>– • सेन्टर पर परिवार नियोजन के अस्थाई साधन व सेवाएं प्रदान की जा रही थी। • अन्तरा इन्जेक्शन लगाया जा रहा था परन्तु उसका रिकार्ड		

		कीपिंग संतोषजनक नहीं पाया गया। • न ही आई0यू0सी0डी0 का रिकार्ड सही प्रकार से पाया गयां पूछने पर उपस्थित स्टाफ नर्स कल्पना राठौड संतोश्जनक उत्तर नहीं दे पाई। • जिस कक्ष में आईयू0सीडी0 लगाई जा रही थी वह साफ सुथरा था। • कक्ष में इन्टर्वल आईयू0सीडी0 लगाने हेतु रखा कैलिस पैड पिचका हुआ था। कैलिस पैड को फूलाकर क्यों रखा जाता है इसका स्टाफ नर्स संतोश्जनक उत्तर नहीं दे पाई। __टीकाकरण__ :– चिकित्सा इकाई पर टीकाकरण के पश्चात होने वाली प्रतिकूल घटना (ए0ई0एफ0आई0) की रिपोर्टिंग हेतु ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता नही पायी गयी।	• रजिस्टर में समस्त आवश्यक सूचनाओं को अद्युनांत/अंकित करने हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया गया। • उक्त के सम्बन्ध में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को अवगत करा दिया गया है। • दल द्वारा स्टाफ नर्स को कैलिस पैड फूले होने के महत्व के बारे में बताया गया। • दल द्वारा स्टाफ नर्स व ए0एन0एम0 को चलाये जा रहे मातृ स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन कार्यक्रम के प्रति रिफ्रेशर प्रशिक्षण दिये जाने का सुझाव दिया गया क्योंकि कोविउ ड्यूटी के कारण उनकी जानकारी व क्षमता भी प्रभावित हुई सी प्रतीत हुई अतः उक्त प्रशिक्षण कराने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा ए0ई0एफ0आई0 के बारे में अभिमुखीकृत किया गया। ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता शीघ्र ही सुनिश्चित करायी जाए ताकि सभी प्रकार के ए0ई0एफ0आई0 मामलों की रिपोर्टिंग करी जाए जो समुदाय में वैक्सीन पर विश्वास को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।	स्टाफ नर्स/ए0एन0एम0/नर्समेंटर/प्रभारी चिकित्साधिकारी/जिला कार्यक्रम प्रबन्धक
	जिला महिला चिकित्सालय, जालौन	• चिकित्सालय काफी बडे परिसर मे बना हुआ है। • परिसर में व्यापक प्रचार प्रसार देखने को मिला जिसको पुनः दीवार लेखने के माध्यम से प्रदर्शित करने की जरूरत थी। • परिसर मे काफी भीड भाड थी तथा ज्यादातर वाहन चिकित्सालय परिसर में ही बेतरतीब से खडे मिले जिसकी वजह से अव्यवस्था मिली,	• राज्य स्तरीय दल द्वारा परिसर में पार्किंग की व्यवस्था दुरस्त करने का सुझाव दिया गया जिससे आने वाले मरीजों विशेषकर गर्भवती महिलाओं व बच्चें को दिक्कत न हो। • पार्किंग व्यवस्था दुरस्त किये जाने हेतु सुरक्षा गार्ड रखे जाने का सुझाव दिया गया जिससे इस प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।	स्टाफ नर्स/ए0एन0एम0/प्रभारी चिकित्साधिकारी/ जिला कार्यक्रम प्रबन्धक

		इसको नियंत्रित करने के लिए कोई गार्ड वगैरह नहीं दिखा। • प्रत्येक चिकित्सा कमरे के बाहर कम कमरे के अंदर लोगों की भीड लगी थी जिसको नियंत्रित करने के लिए कोई वार्ड ब्वाय आदि नहीं थां • हांलाकि परिसर में जगह जबह पर सी सी टीवी कैमरे लगे हुए पाए गए, जो कि कार्य कर रहे थे। • कैमरों का कंट्रोल रूम प्रभारी चिकित्साधिकारी के कक्ष में था। • बरसात के कारण कमरो की दशा खराब थी कमरों मे सीलन और रोशनी की सुगम व्यवस्था नही थी। • परिसर में व्यापक साफ सफाई भी नही दिखी। • प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय अभी हाल में ही ट्रांसफर होकर के चिकित्सालय में आए है।	पर्याप्त बजट न हो पाने की स्थिति में इस हेतु आर0के0एस0 फण्ड का उपयोग किये जाने का सुझाव दिया गया। • राज्य स्तरीय दल द्वारा बरसात उपरांत प्रभारी से ससमय कमरों की मरम्मत कराने का सुझाव दिया गया जिससे जनमानस को असुविधा न हो व कोई अप्रिय घटना न हो सके। • दल द्वार हेल्थ सुपरवाईजर से बात की गई जिसका कोर्द अपेक्षित जवाब नही मिल सका। अतः दल द्वारा सुपरवाईजर को कारण बताओ नोटिस जारी किये जाने एवं व्यापक साफ सफाई कराये जाने का सुझाव दिया।	
		<u>परिवार नियोजन कक्ष</u> • कक्ष ही हालत दयनीय थी। • कक्ष मे साफ सफाई का पर्याप्त अभाव दिखा। • कक्ष में महिलाओ की भीड लगी हुई थी। • कक्ष का संचालन ए0एन0एम0 मालती के द्वारा किया जा रहा था, जो कि काम कम औपचारिकता निभाने में ज्यादा रूचि ले रही थी। • कक्ष की अलमारी में रिकार्ड और सामान बिखरे हुए पडे थे जिनको संभालने का समय महोदया के पास नहीं था और न ही उनके साथ उपस्थित महिला इसमें रूचि ले रही थी। • कक्ष के सामने लगा कंडोम बाक्स खाली पडा था, जिसमें कंडोम भरने का समय किसी के पास नहीं था, कंडोम बाक्स लगाने का क्या उद्देश्य है इसके बारे में उनको कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी। • प्रदान की जा रही परिवार नियोजन सेवाओं क रजिस्टर	• कक्ष की स्थिति और ए0एन0एम0 महोदया के बेतुक तर्को पर दल द्वारा आपत्ति जताई गई और कार्य सुधारने की चेतावनी दी गई। • दल द्वारा प्रभारी को ए0एन0एम0 मालती व एक अन्य ए0एन0एम0 जो कि उस वक्त उपस्थित नहीं थी, स्पष्टीकरण नोटिस देने का सुझाव दिया गया जिससे वह अपना कार्य जिम्मेदारी समझ कर कार्यगुणवत्ता सुधार सके और एक दूसरे पर दोषारोपण बन्द करें।	नर्समेंटर/प्रभारी चिकित्साधिकारी/जिला कार्यक्रम प्रबन्धक

		अंतरा, गर्भनिरोधक गाली, आई0यू0सी0डी के रिकार्ड आधे अधूरे पाए गए, जिसके बारे मे पूछने पर समय अभाव के बारे में बताया गया। लेबर रूम कक्ष– • लेबर कक्ष में लगातार प्रसव चल रहे थे और काफी महिलाएं प्रसव हेतु उपस्थित थी, अतः वर्तमान स्थिति के दृष्टिगत कक्ष का निरीक्षण नहीं किया जा सका। जे0एस0वाई0 कक्ष– • कक्ष में काफी महिलाएं प्रसव उपरांत भर्ती थी जिनका एक दिन पूर्व ही प्रसव हुआ था। • कक्ष की दशा बहुत खराब थी और कक्ष में प्लास्टर झड रहा था यहां तक कि कुछ प्लास्टर दल के सदस्य के सामने ही गिर रहा था और काफी सीलन व उमस थी। • जिस बिस्तर पर प्लास्टर गिर रहा था उस पर ही एक महिला उस वक्त लेटी हुई थी। • महिलाओं को जे0एस0एस0के डाईट के अंर्न्तगत नाश्ता भोजन दिया जा रहा है किन्तु उसका कही पर डाईट चार्ट लगा हुआ नही पाया गया। • कक्ष में मातृ स्वास्थ्य के सम्बन्ध में व्यापक प्रचार प्रसार पोस्टर नहीं थे एवं न ही कक्ष में परिवार नियोजन कार्यक्रम प्रचार प्रसार से सम्बन्धित फिल्म आदि टी0वी0 पर उस वक्त दिखाई जा रही थी। • महिलाओं व उनके परिजनों से से बात करने पर दल के संज्ञान में आया कि प्रसव उपरांत उनसे चिकित्सालय व वार्ड की स्टाफ नर्स/वार्ड आया आदि द्वारा नियोछावर ली जाती है जो कि न दिये जाने दशा में गाली गलौज भी	• दल द्वारा तुरन्त कंडोम बक्स मंगवाकर उनको भरवाया गया तथा ए0एम0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह इसका स्टाक भी नियमित मेंनटेन करें। • समस्त रिकार्ड 15 दिनों में सुधार करने का सुझाव दिया गया चाहे उसके लिए अतिरिक्त समय ही निकालना पडे तथा साथ में आए डी0पी0एम0 महोदय से इसकी निगरानी करने का सुझाव दिया गया। • राज्य स्तरीय दल द्वारा बरसात उपरांत प्रभारी से ससमय कमरों की मरम्मत कराने का सुझाव दिया गया जिससे जनमानस को असुविधा न हो व कोई अप्रिय घटना न हो सके। • दल द्वारा कडी आपत्ति जताते हुए उपस्थित कर्मियों को इस पर ध्यान देने को कहा गया और जिस बिस्तर पर प्लास्टर गिर रहा था उस पर लेटी हुई महिला को दूसरे खाली बिस्टर पर शिफट कराया गया। • दल द्वारा लेबर कक्ष व नजदीक परिसर में डाईट चार्ट लगाने का सुझाव दिया गया जिससे जनमानस के मध्य पारदर्शिता बनी रहें। • दल द्वारा साथ में आई नर्स मेंटर से इसका कक्ष में मातृ स्वास्थ्य के सम्बन्ध में व्यापक प्रचार प्रसार पोस्टर व टी0वी0 चलाने का सुझाव दिया गया जिससे महिला अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हो सके।	

		किया जाता हैं <u>प्रसव रिकार्ड रूम</u> • रिकार्ड कक्ष की स्थिति अव्यवस्थित व रिकर्ड अस्त व्यस्त पाया गया। • नर्स मेंटर काफी व्यस्त रहती है इस कारण वह रिकार्ड चेक नही कर पाती है। • उनसे चर्चा करने पर यह फीडबैक प्राप्त हुआ कि उनकी कोई सुनता नही है हांलाकि उनको कमियों का पता है किन्तु अव्यवस्था क चलते वह कुछ नही कर पाती है। • 04 स्टाफ नर्स इस कक्ष में वर्तमान मे उपस्थित परन्तु किसी के द्वारा रिकार्ड सहजने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। • दल को ज्ञात हुआ कि आपसी सामंजस्य के अभाव में एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाली जाती है।जिसको कोई देखने वाला नही है। • प्रसव रजिस्टर पर सूचनाए विधिवत अंकित नहीं थी। प्रसव उपरांत रजिस्टर में कई जगह पर अधिक वजन के नवजातों का ब्योरा दर्ज थां अधिक वजन के इन नवजातों का जन्म उपरांत क्या किया गया अथवा क्या किया जाता है, स्टाफ नर्स के स्पष्ट जानकारी नहीं थी। • एम0सी0टी0एस. संख्या विधिवत दर्ज नही थी। रजिस्टर में दिए गए मासिक सारांश प्रपत्र उचित प्रकार से भरा ही नहीं किया जा रहा है। • उपस्थित स्टाफ नर्सो को अपने कार्य के प्रति स्पश्टट जानकारी नही दिखी एवं न इसको लेकर कोई चिन्ता। कार्य सम्बन्धी प्रश्न पूछने पर	• दल द्वारा कडी आपत्ति जताते हुए नर्स मेंटर से प्रभारी चिकित्साधिकारी से बात कर इसकी सघन तथ्यपूर्ण जांच करवाने व दोषीयो के खिलाफ कार्यवाही करने का सुझाव दिया गया जिससे इस तरफ की घृणित कार्य को रोका जा सके और जनमानस के मध्य सरकारी स्वास्थ्य सेवाओ के प्रति विश्वास बना रहे सके। • राज्य स्तरीय दल द्वारा चिकित्सा अधीक्षक को समस्तउपस्थित व अनुपस्थित स्टाफ नर्सो को स्पष्टीकरण नोटिस दिये जाने का सुझाव दिया गया तथा सारे कार्य एवं रिकार्ड आगामी 15 दिनों में सुधारने की चेतावनी दी गई। • दल द्वारा स्टाफ नर्सो को कार्य की महता बताते हुए उनको आपसी सामंजस्य बनाते हुए कार्य किये जाने का सुझाव दिया गया जिससे कार्य की गुणवत्ता सुधारी जा सके। दल द्वारा कहा गया कि यह कार्य और प्रोफेशन आपने खुद चुना है अतः अपेक्षित कार्य किया जाने की आपसी उम्मीद की जाती है।	नर्समेंटर / प्रभारी चिकित्साधिकारी / जिला कार्यक्रम प्रबन्धक

		अपेक्षित जवाब नही मिल सका। जबकि साथ में अपर चिकित्साधिकारी महोदय तथा चिकित्सा अधीक्षक भी उपस्थित थे। • रेफरल सिस्टम व्यवस्थित रूप से नहीं पाया गया। एफ0आर0पी0 रजिस्टर की हालत खराब पाई गई। • पार्टोग्राफ भी व्यवस्थित रूप से नहीं भरा पाया गया, न ही उसको ठीक प्रकार से रखा जा रहा था। • अन्तरा गर्भ निरोधक, आई0यू0सी0डी, रजिस्टर रिकार्ड व्यवस्थित रूप से नहीं भरा गया था। बल्कि रिकार्ड आधे अधूरे पाए गए। फालोअप रिकार्ड पर सम्बन्धित व्यक्ति के हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए । प्रथम डोज के उपरांत दूसरी व तीसरी डोज के लिए लाभार्थी दुबारा क्यो नहीं आए एवं उनका क्या हुआ इसका कोई संतोषजनक जवाब स्टाफ नर्स के पास नहीं था। <u>एस0एन0सी0यू0कक्षः</u> • एस0एन0सी0यू0 मे वेंटिलेटर की उपलब्धता ना होने के कारण जिन नवजात शिशुओं को वेंटिलेटर की जरूर होती है उनको मेडिकल कॉलेज रिफेर करना पढ़ता है। • एस0एन0सी0यू0 जनरेटर ना होने के कारण बिजली जाने पर इनवर्टर से पावर बैक अप लंबे समय तक नही रहता है।	राज्य स्तरीय दलद्वारा चिकित्सा अधीक्षक को एस0एन0सी0यू0कक्ष मे वेंटिलेटर एवं जनरेटर की वयवस्था कराने हेतु सुझाव दिया गया	
चतुर्थ दिवस – 23 सितम्बर 2022				
	नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बधौरा	चिकित्सा इकाई मुख्य सडक के किनारे किराये के मकान में स्थापित की गयी है। • सेन्टर प्रभारी / चिकित्साधिकारी अपने ड्रेस कोड में नही थे, जबकि शेष स्टाफ निर्धारित ड्रेस कोड में उपस्थित थे तथा आई कार्ड लगा रखा था। • चिकित्सा इकाई कायाकल्प में चिन्हित है, अतः चिकित्सा इकाई में पर्याप्त साफ सफाई थी, • चिकित्सा इकाई पर कुछ मरीज उपस्थित थे जिनसे ठीक प्रकार से बर्ताव किया जा रहा था।	• दल द्वारा चिकित्साधिकारी को अपने निर्धारित ड्रेस का महत्व बताते हुए अपने ड्यूटी के दौरान सदैव उसका पालन करने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा सेन्टर की नियमित साफ सफाई की प्रशंसा की गई तथा इसको यथा स्थिति बनाये रखने का सुझाव दिया गया।	स्टाफनर्स / प्रभारी चिकित्साधिकारी

		• चिकित्सा इकाई पर मातृ स्वास्थ्य, परिवार नियोजन एवं अन्य गतिविधियों से जुडे पोस्टर लगे थे ।	• राज्य स्तरीय दल द्वारा अवलोकन उपरांत किये जा रहे कार्य की सराहना की गई तथा यथा स्थिति बनाये रखने हेतु स्टाफ को प्रेरित किया गया।	
		मातृ स्वास्थ्य – • समस्त रिकार्ड व्यवस्थित रूप से पाए गए। • चिकित्सा इकाई पर डिलवरी नहीं होती है, ए0एन0सी0 की जाती है जिसका रिकार्ड सही स्थिति में पाया गया।	• दल द्वारा समस्त रिकार्ड व सूचनाएं विधिवत निर्धारित रजिस्टर में अंकित करने का सुझाव दिया गया और कहा गया कि यदि कोई दिक्कत रिकार्ड कीपिंग में आए तो जनपद स्तरीय अधिकारियों को सूचित कर उनकी मदद ले।	
		• ए0एन0सी0 हेतु उपयोगित की जाने वाली वेट मशीन सही प्रकार से कार्य नहीं कर रही। • हाईट स्केल दूसरे कमरे में रखा पाया गया। • कक्ष से लगा शौचालय साफ सुथरा दिखा महिला एवं पुरूष हेतु अलग–2 शौचालय बने है।	• दल द्वारा ए0एन0सी0 हेतु उपयोगित की जाने वाली वेट मशीन सही कराते हुए हाईट स्केल व वेट मशीन एक साथ रखने का सुझाव दिया गया जिससे एक ही जगह पर रिकार्ड रखा जा सके।	
		परिवार नियोजन– • सेन्टर पर परिवार नियोजन से जुडे अस्थाई साधन– अन्तरा गर्भ निरोधक, छाया गर्भ निरोधक साप्ताहिक गोली, कंडोम उपलब्ध थे, लेकिन उनको बास्केट ऑफ चाईस में नहीं रखा गया था।	• दल द्वारा समस्त साधनों को एक टोकरी में सजाकर उनका बास्केट ऑफ चाईस बनाने का सुझाव दिया गया जिससे आने वाला क्लाइंट अपनी पसंद के अनुसार तुरन्त साधन चुन सके।	
		• कार्यक्रम सम्बन्धी दस्तावेज व रजिस्टर – सुव्यवस्थित ढंग से बनाये व रखे गये थे।	• दल द्वारा अवलोकन उपरांत तैयार किये गये रिकार्ड की सराहना की गई तथा यथा स्थिति बनाये रखने हेतु स्टाफ को प्रेरित किया गया।	स्टाफनर्स / प्रभारी चिकित्साधिकारी
		• आई9यू0सी0डी0, अन्तरा, खुशहाल परिवार दिवस आदि कार्यक्रम से सम्बन्धित रजिस्टर व्यवस्थित ढंग से तैयार कर रखे हुए मिले। • खुशहाल परिवार दिवस का रिकार्ड व्यवस्थित रूप से भरा हुआ नहीं पाया गया।	• दल द्वारा कार्यक्रम से सम्बन्धित पम्पलेटों को निकलवाकर मेज पर लगाये जाने व उसके ऊपर शीशा लगाने का सुझाव दिया गया, जिससे उनका व्यापक प्रदर्शन हो तथा सेन्टर पर सेवा प्राप्त करने हेतु आने वाली महिलाएं साधनों के प्रति जागरूक हो सके।	अर्बन हेल्थकार्डिनेटर / प्रभारी चि0
		• स्टाफ नर्स को आई0यू0सी0डी एवं अन्तरा लगाने का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। परन्तु निर्घारित प्रपत्र की बजाय सादे रजिस्टर में रिकार्ड अंकित किये जा रहे है। संज्ञान में आया कि निर्धारित प्रारूप रजिस्टर प्राप्त नहीं हुए है। • परिवार नियोजन साधन अन्तरा आदि कार्यक्रम से सम्बन्धित	• अन्तरा गर्भ निरोधक की तीनों डोज का महत्व बताते हुए स्टाफ नर्स से स्वयं या ए0एन0एम0 के माध्यम से नजदीक की बस्तियों में जाकर महिलाओं को प्रेरित कर बाकि खुराक लेने व उनको नियमित फालोअप करने का सुझाव दिया।	

		पम्पलेट कोने में रखे हुए थे। • परिसर में कंडोम बाक्स लगा था तथा उसमें कंडोम भरे हुए पाए गए, जिसका रिफिलिंग रिकार्ड भी था। **नियमित टीकाकरण :–** • चिकित्सा इकाई पर कार्यरत स्टाफ नर्स को टीकाकरण शेड्यूल के बारे में विधिवत जानकारी नहीं थी। • चिकित्सा इकाई पर टीकाकरण के पश्चात होने वाली प्रतिकूल घटना (ए0ई0एफ0आई0) की रिपोर्टिंग हेतु ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता नही पायी गयी।	• दल द्वारा साथ में आए अर्बन हेल्थ कार्डिनेटर को जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से बात कर अपेक्षित रजिस्टर/रिकार्ड उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा स्टाफ नर्स को टीकाकरण शेड्यूल के बारे में अभिमुखीकृत किया गया तथा आगे इसी प्रकार टीकाकरण शेड्यूल का पालन करने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा ए0ई0एफ0आई0 के बारे में अभिमुखीकृत किया गया। ब्लाक ए0ई0एफ0आई0 रजिस्टर की उपलब्धता शीघ्र ही सुनिश्चित करायी जाए ताकि सभी प्रकार के ए0ई0एफ0आई0 मामलों की रिपोर्टिंग करी जाए जो समुदाय में वैक्सीन पर विश्वास को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।	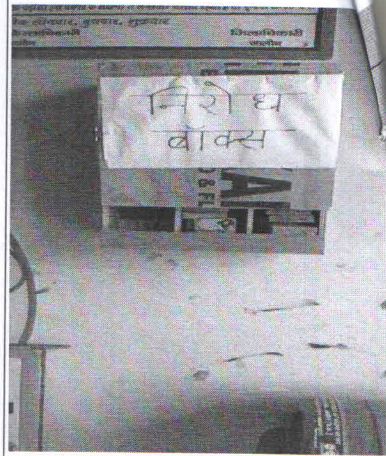 स्टाफनर्स/प्रभारी चिकित्साधिकारी

मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, जनपद जालौन दिनांक 23.09.2022

जनपद जालौन कें भ्रमण उपरांत राज्य स्तरीय दल द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में भ्रमण के दौरान इंगित बिन्दुओं के बारे में मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय से चर्चा हेतु उपस्थित हुआ तथा मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक इकाई को 04 दिवसों के दौरान जनपद की जिला, ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों तथा नगरीय चिकित्सा इकाईयों में पाई गई कमियों व किये गये सुधारात्मक प्रयासों के बारे में अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा प्राप्त फीडबैक एवं चिकित्सा इकाईयों में इंगित कमियों के सापेक्ष शीघ्र कार्यवाही कर उन कमियों को दूर किये जाने हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने तथा उसकी आख्या उपलब्ध कराए जाने हेतु आश्वासन दिया गया।

(अमित अवस्थी)
प्रोग्राम असिस्टेंट

(डा0 राजकुमार वर्मा)
ए0ई0एफ0आई0 कन्सल्टेंट

....

<u>सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण की झलक– जनपद जालौन</u>

हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर, ग्राम खर्रा

खुशहाल परिवार दिवस, हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर ग्राम बावली

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कालपी

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कालपी

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बघौरा

जिला महिला चिकित्सालय, जनपद जालौन